RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
30
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

यूनेस्को का विश्व बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क / UNESCO's World Network of Biosphere Reserves (WNBR)

संदर्भ:

भारत के हिमाचल प्रदेश स्थित कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिज़र्व को हाल ही में यूनेस्को के वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व्स (WNBR) में शामिल किया गया है। यह निर्णय चीन के हांगझोउ में आयोजित मैन एंड द बायोस्फीयर प्रोग्राम (MAB) की 37वीं अंतरराष्ट्रीय समन्वय परिषद की बैठक के दौरान लिया गया।

विश्व बायोस्फीयर रिज़र्व नेटवर्क:

विश्व बायोस्फीयर रिज़र्व नेटवर्क (WNBR) एक वैश्विक नेटवर्क है जो यह दिखाता है कि इंसान और प्रकृति के बीच संतुलित संबंध कैसे बनाए जा सकते हैं। यह **यूनेस्को (UNESCO) के "मैन एंड द बायोस्फीयर (MAB) प्रोग्राम"** के अंतर्गत संचालित होता है। यह नेटवर्क ज्ञान साझा करने, क्षमता निर्माण और सतत विकास (sustainable development) की सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने का एक मंच है।

बायोस्फीयर रिज़र्व के तीन मुख्य कार्य:

1. **संरक्षण** – जैव विविधता और सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करना।
2. **विकास** – सतत मानव और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।
3. **लॉजिस्टिक सहयोग** – शोध, निगरानी, पर्यावरण शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से संरक्षण और विकास का समर्थन करना।

नेटवर्क कैसे काम करता है?

- **वैश्विक सहयोग का साधन** – देशों के बीच ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम तरीकों का आदान-प्रदान।
- **नेटवर्क का विस्तार** –
  - शुरुआत: **1971** में MAB प्रोग्राम के अंतर्गत।
  - **सितंबर 2025 तक**: **142 देशों में 785 बायोस्फीयर रिज़र्व** शामिल (नई साइटें लगातार जुड़ रही हैं)।
- **नामांकन** – देश अपने-अपने रिज़र्व को नेटवर्क में शामिल करने के लिए प्रस्ताव भेजते हैं, जिन्हें MAB के मानदंडों पर परखा जाता है।
- **सहयोगात्मक प्रबंधन** – इसमें सरकारें, स्थानीय समुदाय, आदिवासी प्रतिनिधि और निजी संस्थाएँ मिलकर काम करती हैं।
- **क्षेत्रीय और विषयगत नेटवर्क** – सहयोग बढ़ाने के लिए अलग-अलग नेटवर्क बनाए गए हैं, जैसे:
  - **AfriMAB** – अफ्रीकी बायोस्फीयर रिज़र्व नेटवर्क।
  - **EABRN** – पूर्वी एशियाई बायोस्फीयर रिज़र्व नेटवर्क।
  - विशेष वातावरणों (जैसे पहाड़ और द्वीप) पर आधारित नेटवर्क।

भारत के बायोस्फीयर रिज़र्व:

1. **नीलगिरी बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2000 में शामिल, तमिलनाडु-केरल-कर्नाटक में फैला भारत का पहला बायोस्फीयर रिज़र्व।
2. **गल्फ ऑफ मन्नार बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2001 में शामिल, तमिलनाडु तट पर समुद्री जैव विविधता का केंद्र।
3. **सुंदरबन बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2001 में शामिल, पश्चिम बंगाल में विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन।
4. **नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2004 में शामिल, उत्तराखंड में हिमालयी पारिस्थितिकी और दुर्लभ प्रजातियों का घर।
5. **नोकरेक बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2009 में शामिल, मेघालय की गारो हिल्स में स्थित जैव विविधता हॉटस्पॉट।
6. **पचमढ़ी बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2009 में शामिल, मध्य प्रदेश का पहाड़ी वनों और सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध
7. **सिमलीपाल बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2009 में शामिल, ओडिशा में हाथियों और बाघों का प्रमुख आवास।
8. **अचानकमार–अमरकंटक बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2012 में शामिल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की नर्मदा नदी का उद्गम स्थल।
9. **ग्रेट निकोबार बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2013 में शामिल, अंडमान-निकोबार द्वीप का विशिष्ट समुद्री व स्थलीय पारिस्थितिकी क्षेत्र।
10. **अगस्थ्यमलाई बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2016 में शामिल, पश्चिमी घाट में दुर्लभ औषधीय पौधों और पक्षियों का निवास।
11. **कांचनजंघा बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2018 में शामिल, सिक्किम में हिमालयी जैव विविधता और बौद्ध संस्कृति का अद्भुत मिश्रण।
12. **पन्ना बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2020 में शामिल, मध्य प्रदेश में बाघों और हीरों की खदानों के लिए प्रसिद्ध।
13. **कोल्ड डेज़र्ट बायोस्फीयर रिज़र्व:** 2025 में शामिल, हिमाचल प्रदेश का भारत का पहला उच्च-ऊँचाई वाला शीत मरुस्थल।

बिहार में दो आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया / Two Wetlands in Bihar Designated as Ramsar Sites

संदर्भ:

भारत ने बिहार से दो नए वेटलैंड्स – बक्सर का **गोकुल जलाशय** और पश्चिम चंपारण की **उदयपुर झील** – को अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट्स की सूची में शामिल किया है। इन नए जुड़ावों के साथ भारत की रामसर साइट्स की संख्या बढ़कर **93** हो गई है, जो कुल **13,60,719 हेक्टेयर** क्षेत्र को कवर करती हैं। इसके साथ ही भारत एशिया में शीर्ष स्थान और वैश्विक स्तर पर ब्रिटेन (176) और मैक्सिको (144) के बाद **तीसरे स्थान** पर बना हुआ है।

प्रमुख बिंदु (Key Points):

गोकुल जलाशय (Gokul Jalashay), बक्सर जिला

- **प्रकार (Type):** ऑक्सबो झील, गंगा नदी के दक्षिणी किनारे पर स्थित।
- **पारिस्थितिक भूमिका (Ecological Role):** बाढ़ से गाँवों की रक्षा करता है और 50 से अधिक पक्षी प्रजातियों का आवास है।
- **समुदाय से जुड़ाव (Community Linkages):** मछली पालन, खेती और सिंचाई से आजीविका प्रदान करता है।
- **स्थानीय परंपरा (Local Tradition):** ग्रामीण हर वर्ष एक त्योहार के दौरान जलाशय के कैचमेंट क्षेत्र की सफाई करते हैं।

उदयपुर झील (Udaipur Jheel), पश्चिम चंपारण जिला

- **प्रकार (Type):** गाँव को घेरे हुए ऑक्सबो झील।
- **जैव विविधता (Biodiversity):**
  - 280 पौधों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें Alysicarpus roxburghianus (भारत में स्थानिक) शामिल है।
  - 35 प्रवासी पक्षी प्रजातियों का शीतकालीन आवास, जिनमें **संकटग्रस्त (vulnerable)** कॉमन पॉकर्ड भी शामिल है।

भारत की प्रगति: रामसर साइट्स (Ramsar Sites):

- **2012 में:** भारत में केवल **26 रामसर स्थल** थे।
- **2025 तक:** यह संख्या बढ़कर **93 स्थल** हो गई।
- **क्षेत्रफल कवरेज:** ये स्थल कुल मिलाकर **13.6 लाख हेक्टेयर (1.36 million hectares)** से अधिक क्षेत्र को कवर करते हैं।
- **2020 के बाद:** मात्र 5 वर्षों में **51 नए वेटलैंड्स (आर्द्रभूमि)** जोड़े गए, जो तेज़ संरक्षण प्रयासों को दर्शाता है।
- **वैश्विक रैंकिंग:** भारत, रामसर स्थलों की संख्या में **यूके और मेक्सिको के बाद तीसरे स्थान** पर है।

आर्द्रभूमि (Wetlands):

- आर्द्रभूमि दलदली क्षेत्र, फेन, पीटलैंड या जल (प्राकृतिक/कृत्रिम) होती है, जहाँ स्थिर या बहता हुआ पानी मौजूद होता है।
- समुद्री क्षेत्र भी आर्द्रभूमि में शामिल हैं यदि उनकी गहराई **6 मीटर से कम** हो।
- आर्द्रभूमि एक **पारिस्थितिक संक्रमण क्षेत्र (Ecotone)** है, जहाँ स्थल और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र आपस में मिलते हैं।

रामसर कन्वेंशन (Ramsar Convention):

- **स्थापना:** 1971, रामसर (ईरान) में।
- **उद्देश्य:** आर्द्रभूमियों का संरक्षण और उनका विवेकपूर्ण उपयोग (Wise Use)।
- **भारत की सदस्यता:** 1982 में।

मोंट्रेक्स रिकॉर्ड (Montreux Record – खतरे वाली सूची)

यह सूची उन आर्द्रभूमियों की है, जिनकी **पारिस्थितिक स्थिति मानव गतिविधि या प्रदूषण से बिगड़ रही है।**

भारत की आर्द्रभूमियाँ मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में:

1. **केवलादेव नेशनल पार्क, राजस्थान (1990):** यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल।
2. **लोकटक झील, मणिपुर (1993):**
   - पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।
   - *फुमदिस* (तैरते हुए पौधों, मिट्टी और कार्बनिक पदार्थ के समूह) के लिए प्रसिद्ध।

चिल्का झील, ओडिशा – 1993 में सूची में जोड़ी गई थी, लेकिन सुधार के बाद **2002 में हटाई गई।** यह एशिया की पहली झील थी जिसे मोंट्रेक्स रिकॉर्ड से हटाया गया।

आर्द्रभूमियों की भूमिका (Role of Wetlands)

- **जल चक्र का नियमन:** बाढ़ के जोखिम को कम करती हैं।
- **जैव विविधता का संरक्षण:** विभिन्न पौधों और जानवरों के लिए आवास प्रदान करती हैं।
- **जीविका का स्रोत:** मछली पालन, कृषि और कच्चे माल की आपूर्ति में सहायक।

विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम / The Foreign Contribution (Regulation) Act (FCRA)

संदर्भ:

गृह मंत्रालय (MHA) ने हाल ही में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के एनजीओ का **एफसीआरए (Foreign Contribution Regulation Act) लाइसेंस** रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई लद्दाख के लेह में हुई हिंसक झड़पों के बाद की गई, जिनके बारे में सरकार का कहना है कि वे वांगचुक के बयानों से भड़काई गई थीं।

एफसीआरए (FCRA) क्या है?

Foreign Contribution (Regulation) Act, 2010 यानी **विदेशी अंशदान (नियमन) अधिनियम, 2010** एक व्यापक कानून है, जो व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों द्वारा विदेशी धन या आतिथ्य (hospitality) के स्वीकार और उपयोग को नियंत्रित करता है।

- इसकी जड़ें **एफसीआरए 1976** में हैं, जिसे आपातकाल के दौरान लागू किया गया था। इसका उद्देश्य विदेशी शक्तियों को भारत के आंतरिक मामलों पर प्रभाव डालने से रोकना था।
- **2010 का अधिनियम** इन प्रावधानों को और सख्त व आधुनिक बनाता है, ताकि यह भारत के लोकतांत्रिक और संप्रभु (sovereign) मूल्यों के अनुरूप हो।

अधिनियम के उद्देश्य:

1. **संप्रभुता और लोकतंत्र की रक्षा:** यह सुनिश्चित करना कि विदेशी धन चुनावी राजनीति, जनमत या नीतिनिर्धारण को राष्ट्रीय हित के विरुद्ध प्रभावित न करे।
2. **पारदर्शिता और जवाबदेही:** विदेशी अंशदान पाने वाले संगठनों के लिए कड़े रिपोर्टिंग और ऑडिटिंग प्रावधान।
3. **जनहित की सुरक्षा:** सरकार को यह अधिकार कि जब भी दुरुपयोग या जोखिम दिखे, वह पंजीकरण को निलंबित या रद्द कर सके।

मुख्य प्रावधान:

- **पंजीकरण और नवीनीकरण (Registration & Renewal):**
  - सभी NGO और संस्थाओं को एफसीआरए के तहत पंजीकरण कराना अनिवार्य।
  - यह पंजीकरण 5 साल के लिए मान्य होता है।
  - नवीनीकरण की अर्जी समाप्ति से 6 महीने पहले देनी होती है।
- **निर्धारित बैंक खाता (Designated Bank Account):**
  - सभी विदेशी धनराशि **एसबीआई, नई दिल्ली शाखा** के खाते में ही आनी चाहिए, ताकि सरकार सीधे निगरानी कर सके।
- **हस्तांतरण पर रोक (Prohibition of Transfer):**
  - पंजीकृत NGO विदेशी धन को अपंजीकृत संस्थाओं को नहीं दे सकते।
- **प्रतिबंधित प्राप्तकर्ता:** विदेशी अंशदान निम्न को नहीं दिया जा सकता:
  - चुनाव उम्मीदवार
  - पत्रकार या मीडिया कंपनियाँ
  - न्यायाधीश और सरकारी सेवक
  - विधायक, राजनीतिक दल या उनके पदाधिकारी
  - राजनीतिक प्रकृति के संगठन
- **रिश्तेदारों के लिए छूट:** **2022 संशोधन** के तहत विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से आने वाले धन पर रिपोर्टिंग की सीमा **₹1 लाख से बढ़ाकर ₹10 लाख** कर दी गई।
- **पंजीकरण रद्द करने के आधार:**
  - झूठे बयान देना
  - प्राप्त धन का उपयोग न करना
  - "जनहित" के खिलाफ गतिविधियाँ करना

सोनम वांगचुक कौन है?

सोनम वांगचुक लद्दाख के एक प्रसिद्ध इंजीनियर, इनोवेटर, शिक्षा सुधारक और जलवायु कार्यकर्ता हैं। वह बॉलीवुड फिल्म 3 इडियट्स में आमिर खान द्वारा निभाए गए किरदार फुंसुख वांगडू के वास्तविक जीवन के प्रेरणास्रोत माने जाते हैं।

सोनम वांगचुक कौन हैं? जानिए लेह ...

उनकी उपलब्धियाँ और कार्य:

सेकमोल की स्थापना: उन्होंने 1988 में 'स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख' (SECMOL) की स्थापना की, जिसका उद्देश्य लद्दाख में सरकारी स्कूली शिक्षा में सुधार लाना था।

आइस स्तूप तकनीक: उन्होंने पानी के संरक्षण के लिए 'आइस स्तूप' नामक कृत्रिम ग्लेशियर बनाने की तकनीक का आविष्कार किया, जो सर्दियों के पानी को बर्फ के रूप में संग्रहीत कर गर्मियों में उपयोग करने में मदद करता है।

पुरस्कार: उनके कार्यों के लिए उन्हें 2018 में रेमन मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पर्यावरण सक्रियता: वह लद्दाख के पर्यावरण और वहाँ के लोगों के अधिकारों के लिए भी सक्रिय रूप से काम करते हैं। वे लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के लिए जाने जाते हैं।

भारत में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार / India Expands Medical Education

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए देश में चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10,023 नए मेडिकल सीटों को मंजूरी दी है। इसके लिए 15,034 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले पाँच वर्षों में कुल 75,000 मेडिकल सीटें तैयार की जाएं।

केंद्र सरकार की बड़ी पहल: मेडिकल सीटों में विस्तार:

कैबिनेट की मंजूरी:

- कैबिनेट ने 2028-29 तक सरकारी कॉलेजों और अस्पतालों में **5,000 पीजी (Post-Graduate) सीटें** और **5,023 यूजी (MBBS) सीटें** बढ़ाने की मंजूरी दी है।
- इस परियोजना में **केंद्र सरकार 68.5% (₹10,303.20 करोड़)** और **राज्य सरकारें ₹4,731.30 करोड़** का योगदान करेंगी।

भारत का बढ़ता मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर:

- **2013-14 में 387 मेडिकल कॉलेज** थे, जो **2025-26 में बढ़कर 808** हो गए हैं।
- **MBBS सीटों** में **141% की वृद्धि** और **पीजी सीटों** में **144% की वृद्धि** हुई है।
- वर्तमान में भारत में **1,23,700 MBBS सीटें** उपलब्ध हैं।

AIIMS और स्वास्थ्य सुविधाएँ:

- **प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY)** के तहत अब तक **22 नए AIIMS** को मंजूरी दी गई है।
- इसका उद्देश्य है कि सभी लोगों को **सस्ती और भरोसेमंद तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ (Tertiary Healthcare)** उपलब्ध हों।

नई संकाय नियुक्तियों की सुविधा:

- **नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC)** ने हाल ही में **Medical Institution (Qualifications of Faculty) Regulations, 2025** अधिसूचित किए हैं, ताकि नए शिक्षकों की नियुक्ति और आसानी से हो सके।

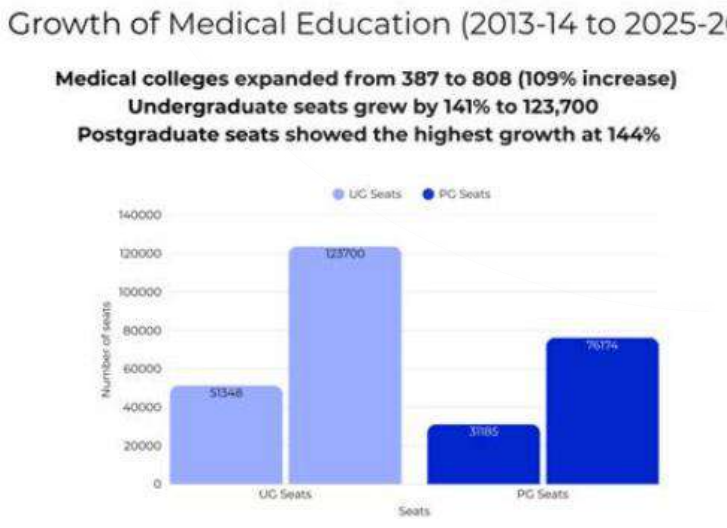

लाभ और प्रभाव:

1. **पिछड़े क्षेत्रों को लाभ** – विशेषज्ञ डॉक्टरों सहित कुशल मेडिकल वर्कफोर्स (Skilled Medical Workforce) बढ़ने से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेंगी।
2. **कम लागत और संतुलित विकास** – मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग किफायती रहेगा और स्वास्थ्य सेवाओं का **क्षेत्रीय संतुलन (Regional Distribution)** सुनिश्चित होगा।
3. **छात्रों के लिए अवसर** – मेडिकल शिक्षा पाने के इच्छुक छात्रों को भारत में अधिक सीटों के कारण नए अवसर मिलेंगे।
4. **गुणवत्ता में सुधार** – मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी और यह **वैश्विक मानकों (Global Standards)** को पूरा करेगी।
5. **भारत का वैश्विक महत्व** – अधिक डॉक्टर और विशेषज्ञ उपलब्ध होने से भारत **सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ** उपलब्ध कराने वाला एक प्रमुख केंद्र बन सकता है, जिससे **विदेशी मुद्रा (Foreign Exchange)** भी बढ़ेगी।
6. **ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा** – पिछड़े, ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में भी **स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ (Accessible Healthcare)** होंगी।
7. **रोजगार सृजन** – नए डॉक्टर, शिक्षक, पैरा-मेडिकल स्टाफ, शोधकर्ता, प्रशासनिक कर्मचारी और सपोर्ट सेवाओं के रूप में **प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार** बढ़ेंगे।
8. **सामाजिक-आर्थिक विकास** – बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से भारत का **सामाजिक और आर्थिक विकास** मजबूत होगा।
9. **समान वितरण** – स्वास्थ्य ढाँचा (Healthcare Infrastructure) पूरे देश में, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, **समान रूप से वितरित** होगा।

जल संचय जन भागीदारी / JSJB

संदर्भ:

कर्नाटक के बीदर ज़िले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर इतिहास रचा है। जिले को केंद्र सरकार की **"जल शक्ति अभियान: कैच द रेन"** के अंतर्गत **"जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार"** से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान बीदर की उत्कृष्ट जल संरक्षण पहलों और जन भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

जल संचय जन भागीदारी (Jal Sanchay Jan Bhagidari - JSJB) पहल:

लॉन्च और पृष्ठभूमि:

- **लॉन्च:** 6 सितंबर 2024, सूरत, गुजरात में।
- **संदर्भ:** यह **Jal Shakti Abhiyan: Catch the Rain** अभियान का समुदाय-संचालित विस्तार है, गुजरात के **जल संचय मॉडल** से प्रेरित।
- **पुरस्कार देने वाला विभाग:** जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनर्जीवन विभाग

उद्देश्य:

- **स्लोगन:** "हर बूंद का संरक्षण" (Every Drop is Conserved)।
- **दृष्टिकोण:** पूरे समाज और सरकार की भागीदारी के साथ समुदाय की **स्वामित्व भावना (Community Ownership)** को बढ़ावा देना।

सहयोग और कार्यान्वयन:

- **साझेदारी:** सरकार, CSR फंड्स, उद्योग, नगर निकाय और सामुदायिक समूहों के साथ मिलकर कार्य।
- **मुख्य लक्ष्य:**
  - 10 लाख रिचार्ज संरचनाएँ (Check Dams, Percolation Tanks, Recharge Wells/Shafts) बनाना।
  - **स्थिति (2025 तक):** लगभग 25,000 संरचनाएँ पहले ही बन चुकी हैं।

मोटक (Motok) समुदाय

संदर्भ:

असम के तिनसुकिया ज़िले के सादीया क्षेत्र में **मोटोक समुदाय** के सदस्यों ने बड़ा प्रदर्शन किया। उनकी मुख्य माँगें थीं:

- समुदाय को **अनुसूचित जनजाति (ST) का दर्जा** दिया जाए।
- उनकी **स्वायत्त परिषद को संविधान की छठी अनुसूची** के अंतर्गत उन्नत किया जाए।

यह आंदोलन समुदाय की सामाजिक-राजनीतिक पहचान और अधिकारों को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मोटक (Motok) समुदाय – असम

परिचय

- **मूल निवासी समूह:** असम की आदिवासी/स्वदेशी जातियों में से एक, जिसकी **विशिष्ट सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान** है।
- **आर्थिक आधार:** मुख्यत: कृषि आधारित।
- **स्थान:** ऊपरी असम के जिलों में केंद्रित - **टिनसुकिया, डिब्रूगढ़, शिवसागर**।
- **श्रेणी:** वर्तमान में **OBC (अन्य पिछड़ा वर्ग)** में वर्गीकृत।

स्वायत्तता (Autonomy): 2020 में: असम सरकार ने **Matak (Motok) Autonomous Council** बनाने के लिए बिल पास किया, ताकि समुदाय के **विकास और प्रशासनिक जरूरतों** को पूरा किया जा सके।

मोटक समुदाय की मुख्य मांगें

1. **अनुसूचित जनजाति (ST) दर्जा:**
   - समुदाय ने ST का दर्जा देने की मांग की।
   - उनका कहना है कि लगभग एक दशक पहले यह वादा किया गया था।
2. **स्वायत्त परिषद का संवैधानिक सशक्तिकरण:**
   - समुदाय ने अपनी परिषद को **छठे अनुसूची (Sixth Schedule)** के अंतर्गत लाने का आग्रह किया।
   - इसका उद्देश्य है **आदिवासी क्षेत्रों की स्वशासन और स्वायत्तता के संवैधानिक सुरक्षा** सुनिश्चित करना।

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND
MANAGEMENT COURSE
+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)
FREE
EMI
AVAILABLE
» Long-Term Investing Foundations
» Principles of Value Investing and Stock
» Portfolio Construction Mastery
» Sectoral Investing
» Stock Picking Framework
» Active Portfolio Management Techniques
» Mega Cap vs Mid Cap Strategy
SPECIAL BONUS
COURSE VALIDITY
1 YEAR